web: www.nyaysakshi.com | पृष्ठ-2 में पढ़ें संपादकीय-खेल-व्यापार-धर्म-खाना खजाना-राशिफल | पृष्ठ-3 में पढ़ें छत्तीसगढ़-प्रादेशिक

दैनिक न्याय साक्षी

अधिकार से न्याय तक

आवश्यक सूचना

आप सभी को सूचित करते हर्ष हो रहा है, कि न्याससाक्षी अधिकार से न्याय तक का सर्वे का कार्य तेजी से चल रहा है, जल्द ही सर्वे की टीम आपके घर विजिट करेगी, कृपया अपनी प्रति सुरक्षित कराएं।

RNI NO - CHHHIN/2018/76480 | Postal Registration No-055/Raigarh DN CG | रायगढ़, गुरुवार 25 मई 2023 | पृष्ठ-4, मूल्य 3 रुपए | वर्ष-05, अंक- 236

नए संसद भवन के उद्घाटन पर आरजेडी-एनसीपी सहित कई दलों ने किया बहिष्कार

नई दिल्ली (आरएनएस)। देश के नए संसद भवन का 28 मई को उद्घाटन होगा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी इस भवन का उद्घाटन करेंगे लेकिन अब इस खूबसूरत बिल्डिंग को लेकर देश में सियासत छिड़ गई है। कई राजनीतिक दलों ने इस समारोह का बहिष्कार किया है। इसमें राष्ट्रीय जनता दल यानी राजद और राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (एनसीपी) का नाम भी जुड़ गया है।

सूत्रों के मुताबिक, समान विचारधारा वाले विपक्षी दलों के नेताओं ने संसद भवन के उद्घाटन समारोह के बहिष्कार को लेकर विचार-विमर्श किया है। कहा जा रहा है कि जल्द ही सदन के सभी नेता एक संयुक्त बयान जारी कर सकते हैं। इसमें कार्यक्रम के संयुक्त बहिष्कार की घोषणा की जाएगी। हालांकि, कई पार्टियां पहले ही कार्यक्रम में शामिल नहीं होने की बात कह चुकी हैं।

गौरतलब है, नए संसद भवन के उद्घाटन समारोह में राष्ट्रपति को नहीं बुलाने पर सवाल उठ रहे हैं। नेताओं का कहना है कि भवन का उद्घाटन द्रौपदी मुर्मू के हाथों न कराकर पीएम मोदी से कराना राष्ट्रपति का अपमान है। इसलिए ही एक के बाद एक राजनीतिक दल समारोह का बहिष्कार करते जा रहे हैं। आइए जानते हैं अभी तक किस-किस पार्टी और उनके नेताओं ने कार्यक्रम में शामिल नहीं होने की बात कही है।

बुधवार सुबह ही राजद ने घोषणा की है की वह समारोह का बहिष्कार करेगा। वहीं एनसीपी नए संसद भवन के उद्घाटन समारोह में शामिल नहीं होगी। द्रविड़ मुनेत्र कडग़म (डीएमके) नए संसद भवन के उद्घाटन का बहिष्कार करेगी। बता दें, तृणमूल कांग्रेस ने सबसे पहले समारोह में शामिल नहीं होने की बात कही थी। इसके बाद आम आदमी पार्टी ने भी समारोह में नहीं जाने का एलान किया। भारतीय भाकपा ने मंगलवार को उद्घाटन समारोह के बहिष्कार की जानकारी दी थी। विदुथलाई चिरुथिगल काची (वीसीके) भी 28 मई को होने वाले नए संसद भवन के उद्घाटन में शामिल नहीं होगी।

आप नेता और रा'यसभा सांसद संजय सिंह ने कहा कि संसद भवन के उद्घाटन समारोह में महामहिम राष्ट्रपति द्रौपदी मूर्मू जी को आमंत्रित न करना उनका घोर अपमान है। यह भारत के दलित आदिवासी और वंचित समाज का अपमान है। पीएम मोदी की ओर से महामहिम राष्ट्रपति को आमंत्रित नही करने के विरोध में आम आदमी पार्टी उद्घाटन कार्यक्रम का बहिष्कार करेगी।

राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (एनसीपी) के प्रवक्ता ने जानकारी दी कि एनसीपी नए संसद भवन के उद्घाटन समारोह में शामिल नहीं होगी। पार्टी ने इस मुद्दे पर अन्य समान विचारधारा वाले विपक्षी दलों के साथ खड़े होने का फैसला किया है।

उद्धव ठाकरे गुट के नेता संजय राउत ने कहा कि सभी विपक्षी दलों ने 28 मई को नए संसद भवन के उद्घाटन का बहिष्कार करने का फैसला किया है और हम भी ऐसा ही करेंगे। वहीं, द्रविड़ मुनेत्र कडग़म यानी डीएमके पार्टी की सांसद तिरुचि शिवा ने कहा कि हमारी पार्टी भी नए संसद भवन के उद्घाटन समारोह में शामिल नहीं होगी। हमने बहिष्कार करने का फैसला लिया है।

बीआरएस सांसद के केशव राव का कहना है कि हमने अभी तक कोई फैसला नहीं लिया है, अभी फैसला लेना है। उन्होंने कहा कि समारोह में शामिल नहीं की अधिक संभावना है। पर अपने फैसले की घोषणा कल करेंगे।

लोकसभा में टीएमसी के नेता सुदीप बंदोपाध्याय ने कहा कि टीएमसी 28 मई को नए संसद भवन के उद्घाटन का बहिष्कार करेगी। रा'यसभा में टीएमसी के नेता डेरेक ओ'ब्रायन ने ट्विटर पर लिखा कि संसद सिर्फ एक नई इमारत नहीं है। यह पुरानी परंपराओं, मूल्यों, मिसालों और नियमों के साथ एक प्रतिष्ठान है। यह भारतीय लोकतंत्र की नींव है। प्रधानमंत्री मोदी शायद यह नहीं समझते। उनके लिए रविवार को नई इमारत का उद्घाटन 'मैं, मेरा और मेरे लिए' से 'यादा कुछ नहीं है। इसलिए हमें इससे बाहर ही समझें। भाकपा महासचिवडी राजा ने कहा कि उनकी पार्टी समारोह में शामिल नहीं होगी।

दरअसल, 28 मई को दोपहर 12 बजे पीएम मोदी नए संसद भवन का उद्घाटन करेंगे। इस पर कांग्रेस नेताओं और कई अन्य विपक्षी नेताओं का मानना है कि पीएम की बजाय राष्ट्रपति को उद्घाटन करना चाहिए। कांग्रेस का कहना है कि नए संसद भवन का उद्घाटन राष्ट्रपति के हाथों ही होना चाहिए। मुर्मू द्वारा नए संसद भवन का उद्घाटन लोकतांत्रिक मूल्यों और संवैधानिक मर्यादा के प्रति सरकार की प्रतिबद्धता का प्रतीक होगा। इस बीच सूत्रों ने मंगलवार को कहा कि राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू और उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ उद्घाटन के अवसर पर बधाई संदेश जारी कर सकते हैं।

नए संसद भवन के विरोध के बीच बीजेपी को मिला अकाली समेत कई दलों का साथ, सरकार ने विपक्ष से की अपील

नई दिल्ली (आरएनएस)। भारतीय लोकतंत्र का नया मंदिर बनकर तैयार हो चुका है, लेकिन इसके उद्घाटन को लेकर सियासी संग्राम छिड़ा हुआ है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी 28 मई को नए संसद भवन को राष्ट्र को समर्पित करेंगे। हालांकि, इस कार्यक्रम में कांग्रेस समेत विपक्ष के 19 दल शामिल नहीं होंगे। कांग्रेस समेत विपक्ष की 19 राजनीतिक दल नए संसद के उद्घाटन समारोह का बहिष्कार करेंगे। इन दलों में कांग्रेस, तृणमूल कांग्रेस, आम आदमी पार्टी, द्रमुक, समाजवादी पार्टी, जेडीयू, राष्ट्रीय जनता दल, शिवसेना, एआईएमआईएम, माकपा, भाकपा शामिल हैं। इन दलों ने एक संयुक्त बयान में आरोप लगाया कि राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु को उद्घाटन समारोह से दरकिनार करना और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा संसद के नए भवन का उद्घाटन करने का फैसला लोकतंत्र पर सीधा हमला है। एक तरफ कांग्रेस जैसी पुरानी पार्टियों ने उद्घाटन का बहिष्कार किया तो दूसरी तरफ नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व वाली भारतीय जनता पार्टी सरकार को मायावती के नेतृत्व वाली बहुजन समाज पार्टी, चंद्रबाबू नायडू की तेलुगू देशम पार्टी, वाईएसआर कांग्रेस, एआईएडीएमके और अकाली दल का समर्थन प्राप्त हुआ।

महत्वपूर्ण एवं खास

जम्मू-कश्मीर में बड़ा हादसा : डैम पर काम कर रहे मजदूरों को ले जा रही गाड़ी पलटी, 6 की मौत

जम्मू (आरएनएस)। जम्मू-कश्मीर के किश्तवाड़ में एक बड़े हादसे की खबर है। यहां डांगडुरु बांध के पास बस दुर्घटनाग्रस्त हो गई, जिसमें छह लोगों की मौत बताई जा रही है और 3 लोग गंभीर रूप से घायल हो गए हैं। जानकारी के अनुसार, डैम पर काम कर रहे मजदूरों को ले जा रही क्रूजर गाड़ी पलट गई जिसमें 6 मजदूरों की मौत और गंभीर रूप से घायल हो गए। किश्तवाड़ पुलिस के मुताबिक, ये हादसा डांगदुरु पावर प्रोजेक्ट के पास हुआ। इस प्रोजेक्ट पर काम कर रहे मजदूरों का ला रही क्रूजर गाड़ी पलट गई। इस हादसे में 6 लोगों के मरने की खबर है। जबकि & घायलों को अस्पताल में भर्ती कराया गया है. बचाव अभियान जारी है।

मोदी सरनेम पर टिप्पणी मामले में रांची की कोर्ट में 16 जून को हाजिर होंगे राहुल गांधी

रांची (आरएनएस)। मोदी सरनेम वाले लोगों पर टिप्पणी से जुड़े केस में कांग्रेस नेता राहुल गांधी को अब रांची की अदालत में आगामी 16 जून को हाजिर होना पड़ेगा। रांची की विशेष एमपी-एमएलए कोर्ट ने उन्हें इसके लिए नोटिस जारी किया है। इस मामले की सुनवाई सोमवार को निर्धारित की थी, लेकिन राहुल गांधी के वकील के आग्रह पर सुनवाई की तिथि अब 16 जून तय की गई है। बता दें कि कोर्ट ने राहुल गांधी द्वारा दाखिल व्यक्तिगत उपस्थिति से छूट की अर्जी को पहली ही खारिज कर दिया है। यह केस रांची के रहने वाले प्रदीप मोदी ने दाखिल किया था। इसमें कहा गया है कि पिछले लोकसभा चुनाव के दौरान राहुल गांधी रांची में चुनावी सभा को संबोधित करने आए थे, तब उन्होंने मोदी सरनेम वाले लोगों पर टिप्पणी की थी। प्रदीप मोदी का कहना है कि इससे उनके अलावा पूरे समाज की भावनाएं आहत हुई हैं। यह मानहानि का मामला है।

बाबा बागेश्वर को मिली 'वाई' कैटेगरी की सुरक्षा, एमपी पुलिस ने सभी राज्यों को लिखा पत्र

भोपाल (आरएनएस)। मध्य प्रदेश के छतरपुर जिले के बागेश्वर धाम के चर्चित कथा वाचक धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री की सुरक्षा व्यवस्था बढ़ा दी गई है। धीरेंद्र शास्त्री अब ड्ढ्ढ श्रेणी की सुरक्षा घेरे में रहेंगे। धमकी मिलने के बाद पीठाधीश्वर महाराज की सुरक्षा बढ़ा दी गई है। मध्य प्रदेश पुलिस के कानून व्यवस्था और सुरक्षा आईजी की तरफ से आदेश जारी किए गए। इस संबंध में सभी राज्यों को भी पत्र लिखा गया है। बता दें बिहार के आईपीएस ने धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री को जेड प्लस सुरक्षा देने की मांग की थी। इस संबंध में आईपीएस अरविंद पाडेय ने ट्वीट किया था। हाल ही धीरेंद्र शास्त्र बिहार गए थे। जहां उनके दर्शन के लिए लोगों को हुजूम उमड़ पड़ा था। ड्ढ्ढ श्रेणी की सुरक्षा में एक या दो कमांडो और पुलिस कर्मियों सहित आठ जवान सुरक्षा में हरपल तैनात रहते हैं। इस सुरक्षा कवच को तोड़ पाना किसी के लिए आसान नहीं होता। इसमें सुरक्षा के रूप में दो पर्सनल सिक्योरिटी ऑफिसर (पीएसओ) भी होते हैं। भारत में वाई श्रेणी की सुरक्षा कई लोगों के पास है।

मवेशी तस्करी मामला : ईडी ने अनुब्रत, सुकन्या मंडल की संपत्तियां कुर्क की

कोलकाता (आरएनएस)। पश्चिम बंगाल में करोड़ों रुपये के मवेशी तस्करी के कथित मामले की जांच के तहत ईडी ने टीएमसी नेता अनुब्रत मंडल और उनकी बेटी सुकन्या मंडल के कई बैंक खातों को सीज कर दिया और संपत्तियां कुर्क की हैं। सूत्रों ने बुधवार को बताया कि कुल 25 बैंक खातों को सीज कर दिया गया है और 11 करोड़ रुपये की संपत्ति कुर्क की गई है। कुर्क की गई संपत्तियों में से कुछ अनुब्रत मंडल के नाम पर थीं, जबकि अन्य उनकी स्वर्गीय पत्नी चोबी मंडल और बेटी सुकन्या मंडल के नाम पर थीं। पिता और बेटी फिलहाल तिहाड़ जेल में न्यायिक हिरासत में हैं। ईडी ने जिन 25 बैंक खातों को सीज किया है उनमें मंडल और उनके परिवार के सदस्यों के व्यक्तिगत बैंक खाते, एएनएम एग्रोकेम फूड्स प्राइवेट लिमिटेड और नीर डेवलपर प्राइवेट लिमिटेड जैसी कंपनियां शामिल हैं, जिनमें सुकन्या मंडल निदेशक थीं। यह दूसरी बार है जब ईडी ने मंडल और उनके परिवार के सदस्यों के बैंक खाते सीज किए और संपत्तियों को कुर्क किया है। पहले चरण में केंद्रीय एजेंसी के अधिकारियों ने 17 करोड़ रुपये की संपत्ति कुर्क की थी।

आसमान से बरपा मौत का कहर, वज्रपात से 6 लोगों की मौत; परिजनों को 4-4 लाख रुपए मुआवजे की घोषणा

पटना (आरएनएस)। बिहार में मंगलवार को अचानक मौसम ने करवट ली और कई जिलों में गरज के साथ बारिश हुई। बारिश होने के बाद लोगों को गर्मी से कुछ राहत मिली है। इस बीच, रा'य के तीन जिलों में वज्रपात से छह लोगों की मौत हो गई। इधर, मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने मृतक के परिजनों को तत्काल चार -चार लाख रुपए अनुग्रह अनुदान देने की घोषणा की है।

आपदा प्रबंधन विभाग के एक अधिकारी ने बताया कि मंगलवार को रा'य में वज्रपात की चपेट में आने से छह लोगों की मौत हो गई है। उन्होंने बताया कि वज्रपात से दरभंगा में 3, बेगूसराय में 2 एवं वैशाली में 1 व्यक्ति की मौत हुई है।इधर, मुख्यमंत्री नीतीश कुमार रा'य के 3 जिलों में वज्रपात से 6 लोगों की मौत पर गहरी शोक संवेदना व्यक्त की है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि आपदा की इस घड़ी में वे प्रभावित परिवारों के साथ हैं। मुख्यमंत्री ने सभी मृतक के परिजनों को तत्काल चार-चार लाख रुपए अनुग्रह अनुदान देने के निर्देश दिये हैं। मुख्यमंत्री ने लोगों से अपील की है कि सभी लोग खराब मौसम में पूरी सतर्कता बरतें। खराब मौसम होने पर वज्रपात से बचाव के लिये आपदा प्रबंधन विभाग द्वारा समय-समय पर जारी किये गये सुझावों का अनुपालन करें। खराब मौसम में घरों में रहें और सुरक्षित रहें।

रनवे को छूते ही फिर हवा में उड़ गई इंडिगो की फ्लाइट, मची अफरा-तफरी

नई दिल्ली (आरएनएस)। चंडीगढ़ से अहमदाबाद जाने वाली इंडिगो एयरलाइंस की फ्लाइट से चौंका देने वाला मामला सामने आया है। अंदर बैठे यात्रियों में उस समय हडक़ंप मच गया जब विमान लैंड होते ही फिर से हवा में उडऩे लगा। मामला सोमवार रात का है। विमान सरदार वल्लभभाई पटेल अंतरराष्ट्रीय हवाईअड्डे के रनवे पर उतरने के कुछ ही सेकेंड में फिर से टेक-ऑफ कर गया। यह घटना रात करीब 8:15 बजे एक नियमित लैंडिंग के दौरान घटी, जिससे यात्री में अफरा-तफरी मच गई। इंडिगो की फ्लाइट नंबर 6श्व 6056 चंडीगढ़ से अहमदाबाद के सरदार वल्लभ भाई एयरपोर्ट पर आ रही थी।

रनवे को छूते ही उड़ा विमान- फ्लाइट में यात्रियों में शामिल वड़ोदरा के रहने वाले डॉ. नील ठक्कर ने टाइम्स ऑफ इंडिया को बताया कि वे सब घबरा गए क्योंकि किसी को समझ नहीं आया कि क्या हुआ है। उन्होंने कहा, विमान लगभग 8.45 बजे नीचे उतरना शुरू हुआ, लेकिन जैसे ही इसके पहिए जमीन को छूए पायलट ने अचानक उड़ान भर दी और विमान एक बार फिर हवा में उड़ गया। ठक्कर ने बताया कि दोबारा लैंड करने से पहले प्लेन करीब 20 मिनट तक फिर हवा में रहा। यात्री ने बताया कि इस अप्रत्याशित पैंतरेबाजी से 100 से अधिक यात्रियों की जान जोखिम में पड़ गई थी। उसने एयरलाइन, डीजीसीए और केंद्रीय नागरिक उड्डयन मंत्री, ज्योतिरादित्य सिंधिया को एक ईमेल भेजा है।

बिना इजाजत के उतार दिया प्लेन- ठक्कर ने अपने ईमेल में लिखा है कि उन्होंने आगमन पर घटना के संबंध में स्पष्टीकरण के लिए पायलट से संपर्क किया। उन्होंने कहा, पायलट जगदीप सिंह ने जवाब दिया कि यह एक नियमित कम्युनिकेशन प्रॉबलम थी और एयरलाइन के पास विमान को उतारने के लिए एटीसी की मंजूरी नहीं थी। ठक्कर ने सवाल किया कि अगर एयर ट्रैफिक कंट्रोल (एटीसी) ने मंजूरी नहीं दी होती तो विमान कैसे उतर सकता है। उन्होंने आगे बताया कि उन्होंने इंडिगो एयरलाइंस के ड्यूटी मैनेजर से संपर्क किया, जिन्होंने उन्हें जांच शुरू करने के लिए संबंधित अधिकारियों को एक ईमेल भेजने की सलाह दी। ठक्कर ने पूरी जांच किए जाने की उम्मीद जताई।

मंदिरों पर हमले बर्दाश्त नहीं, ऑस्ट्रेलिया में बोले पीएम मोदी

- अल्बनीज ने एक्शन का दिया भरोसा

सिडनी (आरएनएस)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि उन्होंने पीएम एंथनी अल्बनीज से ऑस्ट्रेलिया में मंदिरों पर हमले का मुद्दा उठाया है। इसके अलावा ऑस्ट्रेलिया में अलगाववादी तत्वों की गतिविधियों पर भी चर्चा हुई है। पीएम मोदी ने कहा कि दोनों नेताओं में ऑस्ट्रेलिया में मंदिरों में तोडफ़ोड़ की घटनाओं और अलगाववादी हमलों पर भी चर्चा की।

पीएम मोदी ने कहा, 'प्रधानमंत्री एंथनी अल्बनीज और मैंने पहले भी ऑस्ट्रेलिया में मंदिरों पर हमले और अलगाववादी तत्वों की गतिविधियों के मुद्दे पर चर्चा की है। हमने आज भी इस मामले पर चर्चा की।' उन्होंने कहा कि ऑस्ट्रेलियाई पीएम ने उन्हें इस तरह की तोडफ़ोड़ करने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई का आश्वासन दिया था।

पीएम नरेंद्र मोदी ने कहा, 'भारत और ऑस्ट्रेलिया के सौहार्दपूर्ण रिश्तों को कोई भी तत्व अपने विचारों या कार्रवाई से आघात पहुंचाए, यह हमें स्वीकार्य नहीं है।' पीएम अल्बनीज ने इस संदर्भ में जो कदम उठाए हैं। मैं उनको धन्यवाद देता हूं। साथ ही उन्होंने मुझे एक बार फिर से आश्वासन दिया है कि वह ऐसे तत्वों के विरुद्ध सख्त एक्शन लेते रहेंगे।'

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने अपने ऑस्ट्रेलियाई समकक्ष एंथनी अल्बनीज के साथ बातचीत के बाद कहा कि भारत-ऑस्ट्रेलिया संबंध आपसी विश्वास और भरोसे पर आधारित हैं। उन्होंने ऑस्ट्रेलिया में भारतीय समुदाय को भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच सेतु बताया और कहा कि दोनों नेताओं ने भारत-ऑस्ट्रेलिया व्यापक रणनीतिक साझेदारी को नई ऊंचाइयों पर ले जाने पर चर्चा की।

इसी साल मार्च में, ब्रिस्बेन में स्थित एक प्रमुख हिंदू मंदिर, लक्ष्मी नारायण मंदिर पर खालिस्तान समर्थकों द्वारा हमला किया गया था। ऑस्ट्रेलिया में दो महीने में हिंदू मंदिरों में तोडफ़ोड़ की यह चौथी घटना थी। द्विपक्षीय वार्ता से पहले, पीएम मोदी को यहां एडमिरल्टी हाउस में औपचारिक गार्ड ऑफ ऑनर दिया गया। पीएम मोदी द्वारा सिडनी में आयोजित एक कार्यक्रम में भारतीय समुदाय को संबोधित करने के एक दिन बाद यह वार्ता हुई। सिडनी के समारोह में अल्बनीज ने भी हिस्सा लिया था।

मथुरा में सड़क हादसे में चार युवकों की मौत, एक गंभीर

- मुख्यमंत्री ने घटना पर जताया शोक, आलाधिकारी मौके पर पहुंचे
- ईको कार के पेड़ से टकराने से हुआ भीषण हादसा

मथुरा(आरएनएस)। बुधवार की सुबह सडक़ हादसे में चार लोगों की मौत हो गई जबकि हादसे में घायल हुए ईको चालक की हालत गंभीर है। हादसा मथुरा के थाना बलदेव क्षेत्र में एक ईको कार के पेड से टकरा जाने से हुआ। हादसे पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शोक व्यक्त किया है। जनपद के आलाधिकारी भी मृतक युवकों के परिजनों को ढंढस बंधने पहुंचे हैं। सूचना मिलते ही मौके पर पहुंची पुलिस ने कार में फंसे शवों को निकाला और पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया। वहीं घायलों को इलाज के लिए जिला अस्पताल भेजा है।

ईको कार सवार ड्राइविंग लाइसेंस बनवाने के लिए ईको कार से बल्देव से वृंदावन जा रहे थे। गाड़ी संख्या यूपी 85 बी 4514 में गांव आगई बलदेब से इको कार में सवार होकर गंगनहर के बराबर सडक़ किनारे होते हुए वृंदावन जा रहे थे। गांव पिलुखनी के समीप वाहन को बचाने के प्रयास में गाड़ी शीशम के पेड़ से जा टकरायी। इस दौरान अचल पुत्र प्रेमसिंह गांव आगई थाना बलदेव, आकाश पुत्र ओमवीर सिंह निवासी गांव आगई, योगेश पुत्र भूरी सिंह निवासी बलदेव, अंकित पुत्र पवन निवासी बलदेव की मौके पर ही मौत हो गई। जबकि गाड़ी चालक सेंकी पुत्र शैलेन्द्र निवासी गांव आगई थाना बलदेव की हालत चिंताजनक बताई गयी है।घटना की जानकारी मिलने पर मौके पर पहुंची राया पुलिस ने घायल को जिला अस्पताल भेजा। जहां से उसे आगरा के लिए रेफर कर दिया गया है। पुलिस ने चारों मृतकों के शव का पंचनामा भरकर उन्हें पोस्टमार्टम के लिए भिजवाया। इस बड़े हादसे की जानकारी मिलते ही जिलाधिकारी पुलकित खरे और वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक शैलेश पांडेय भी जिला अस्पताल पहुंचे। यहां उन्होंने सीएमएस से बात कर घायल की स्थिति के बारे में जानकारी ली। उन्होंने जिला अस्पताल में मौजूद घायल और मृतकों के परिजनों को ढांढस बंधाया। वहीं बताया जा रहा है कि ईको सवार ड्राइविंग लाइसेंस बनवाने के लिए बलदेव से वृंदावन जा रहे थे इसी बीच किसी वाहन को बचाने के प्रयास में उनकी कार एक पेड़ से जा टकराई। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने मथुरा में हुए सडक़ हादसे में हुई जनहानि पर गहरा दु:ख प्रकट किया है।

सिसोदिया ने वापस ली दिल्ली हाईकोर्ट में दाखिल अंतरिम जमानत याचिकाएं

नई दिल्ली (आरएनएस)। दिल्ली के पूर्व उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया ने आबकारी नीति में कथित भ्रष्टाचार और धन शोधन आरोपों से संबंधित सीबीआई और ईडी की जांच से जुड़े मामलों में दिल्ली हाईकोर्ट में दायर अपनी अंतरिम जमानत याचिकाएं बुधवार को वापस ले लीं। न्यायमूर्ति दिनेश कुमार शर्मा की पीठ ने कहा, यह देखते हुए कि याचिकाकर्ता की पत्नी की हालत में सुधार हुआ है और अब स्थिर है, अंतरिम आवेदनों को वापस ले लिया गया है।

आप के वरिष्ठ नेता ने अपनी पत्नी की बीमारी के आधार पर मामले में अंतरिम जमानत के लिए 3 अप्रैल को उच्च न्यायालय का दरवाजा खटखटाया था।

इसी एकल-न्यायाधीश की पीठ ने 11 मई को जेल अधीक्षक को निर्देश दिया था कि याचिका के निष्पादन तक जेल के नियमों के दायरे में सिसोदिया को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग की सुविधा प्रदान की जाए ताकि वह हर दूसरे दिन दोपहर 3-4 बजे के बीच अपनी पत्नी से बात कर सकें।

अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल एस.वी. राजू ने कहा कि उन्होंने पहले याचिका खारिज करने की मांग की थी क्योंकि आवेदन में यह उल्लेख नहीं किया गया था कि पत्नी को अस्पताल से छुट्टी दे दी गई थी।

उन्होंने कहा कि खारिज किए जाने के डर से आवेदन वापस लिए जा रहे हैं।

राजू ने कहा, याचिका सामान्य रूप से वापस नहीं ली गई है।

हालांकि, अदालत ने कहा कि इस तरह के किसी भी विवाद में जाए बिना आवेदन को वापस लिया गया मानते हुए खारिज किया जाता है।

हिंदूकुश-हिमालय से भारत समेत 16 देशों पर आने वाली है बड़ी आफत, वैज्ञानिकों ने जारी की चेतावनी

नई दिल्ली (आरएनएस)। भारत और उसके आसपास के 16 देशों पर बड़ी मुसीबत आने वाली है, क्योंकि जलवायु परिवर्तन से हिंदूकुश और हिमालय के पहाड़ का वाटर सिस्टम बिगड़ सकता है। यानी इन पहाड़ों से निकलने वाली नदियों का स्रोत और बहाव बिगड़ेगा। इससे इन 16 देशों की अर्थव्यवस्था और ऊर्जा प्रणाली पर बुरा असर पड़ सकता है।

यह स्टडी चीन के थिंक टैंक चाइना वाटर ने करवाई है। उसके अनुसार हिंदूकुश और हिमालय से बहने वाली 10 प्रमुख नदियों की वजह से 190 करोड़ लोगों को पानी मिलता है। खेती-बाड़ी होती है, लेकिन जलवायु परिवर्तन की वजह से ग्लेशियर पिघल रहे हैं। एक्स्ट्रीम वेदर यानी भयानक मौसम की वजह से जानलेवा खतरे सामने आ रहे हैं।

वैज्ञानिकों ने चेतावनी दी है कि इन नदियों में लगातार पानी कम होता जा रहा है। अगर इंसानों ने कार्बन उत्सर्जन कम नहीं किया तो पीने के लिए पानी भी नहीं मिलेगा। इन 16 देशों को जल और उससे मिलने वाली ऊर्जा को बचाए रखने के लिए बड़े पैमाने पर ढांचागत विकास करना होगा। इन नदियों में गंगा और ब्रह्मपुत्र नदियां भी शामिल हैं। जिन 10 नदियों की बात हो रही हैं, उसमें प्रमुख हैं- भारत की गंगा, ब्रह्मपुत्र, चीन की यांग्त्जे और यलो रिवर जो मेकॉन्ग और सालवीन नदियों के साथ सीमाएं बांटती हैं। ये नदियां भारत, नेपाल और दक्षिणपूर्व एशिया के 16 देशों की तीन-चौथाई हाइड्रोपावर को सपोर्ट करती हैं। इसके अलावा 44त्न कोयला आधारित पावर प्रोजेक्ट्स की मदद करती हैं।

पूरे जापान को बिजली सप्लाई करने के लिए 300 गीगावॉट से थोड़ा ज्यादा की जरुरत पड़ती है, लेकिन इन नदियों से पानी का बहाव कम हुआ या खत्म हुआ तो इन 16 देशों में 865 गीगावॉट बिजली सप्लाई रुक जाएगी। क्योंकि ये नदियां जिन इलाकों में हैं, वो अधिक या अत्यधिक स्तर की पानी की कमी बर्दाश्त कर रही हैं। चीन के यांग्त्जे नदी का बेसिन पूरे देश की आबादी के एक तिहाई हिस्से को सपोर्ट करता है। साथ ही चीन की ऊर्जा सप्लाई का 15 फीसदी हिस्सा इसी नदी से जेनरेट होता है। पिछले साल इस नदी से भयानक सूखे का सामना किया था। जिसकी वजह से चीन में बिजली सप्लाई बाधित हुई थी।